मुख्यमंत्री भजनलाल के आग्रह पर राजस्थान के कम उत्पादकता वाले 8 जिलों को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से जोड़ा

अब इन जिलों में 11 विभागों की 36 योजनाओं को विशेष रूप से लागू करेगी केन्द्र व राज्य सरकार

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आग्रह पर केन्द्र सरकार ने तारबंदी कार्यक्रम में कई फसलों को शामिल किया है। साथ ही, राजस्थान के कम उत्पादकता वाले 8 जिलों को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से भी जोड़ लिया है। अब इन जिलों में 11 विभागों की 36 योजनाओं को विशेष रूप से लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली यात्रा के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मुलाकात की थी। इसके बाद दोनों नेताओं ने कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली यात्रा के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मुलाकात की थी।

- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान राजस्थान के विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी शिष्टाचार भेंट कर राजस्थान के आर्थिक विकास, विभिन्न योजनाओं के बेहतर वित्तीय प्रबंधन एवं जीएसटी बचत उत्सव पर चर्चा की

बैठक में राजस्थान में सिंचाई हेतु टांकों की व्यवस्था को जारी रखने, 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना में राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाने, योजना के अंतर्गत सांकेतिक आवंटन में वृद्धि करने, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन की उप-योजनाओं में तारबंदी कार्यक्रम को शामिल रखने तथा दलहन उप-योजना के अंतर्गत कांटेदार तारबंदी पर अनुदान स्वीकृति जैसे कृषक हितैषी विषयों पर सार्थक निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य के विकास और किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए केन्द्रीय मंत्री का आभार जताया।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान राजस्थान के विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा, राजस्थान के विकास और प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री को पत्र लिखकर टांका निर्माण पर रोक हटाने तथा विभिन्न योजनाओं में केन्द्रीय अनुदान बढ़ाने के लिए आग्रह किया था।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए भजनलाल शर्मा ने केन्द्र सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के साथ ही राज्य सरकार के स्तर पर भी कई योजनाएं लागू की हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को ही केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने राजस्थान के आर्थिक विकास, विभिन्न योजनाओं के बेहतर वित्तीय प्रबंधन एवं जीएसटी बचत उत्सव से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की। शर्मा ने वित्त मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर वित्त मंत्रालय द्वारा जीएसटी दरों में की गई कमी का आम आदमी को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। इससे दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुएं सस्ती हुई हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी बचत उत्सव में हिस्सा लेते हुए आमजन ने त्यौहारों पर उत्साह के साथ स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा दिया है।

द्रव्यवती नदी के सौंदर्यीकरण को लेकर न्याय मित्रों को दस्तावेज मुहैया कराएं

- राजस्थान हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की द्रव्यवती नदी के सौंदर्यीकरण से जुडे मामले में हाईकोर्ट रजिस्ट्री को कहा है कि वह मामले में नियुक्त तीनों न्याय मित्रों को प्रकरण से जुड़ी डिजीटल पेपर बुक मुहैया कराए।

इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश पीएन मैंदोला व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत की जानकारी में आया कि पूर्व में नियुक्त न्यायमित्र अलंकृता शर्मा, शोभित तिवाडी और संदीप सिंह शेखावत को अदालत में रिपोर्ट पेश करनी है कि अदालती आदेश की पालना में राज्य सरकार की ओर से क्या कार्रवाई की गई, लेकिन तीनों की न्यायमित्रों को अभी तक प्रकरण से जुडे कागजात नहीं मिले हैं।

इस पर अदालत ने हाईकोर्ट की रजिस्ट्री को कहा कि वे तीनों न्यायमित्रों को संबंधित दस्तावेजों की पेपर बुक डिजिटल फॉर्मेट में मुहैया कराए। वहीं अदालत ने मामले की सुनवाई तीन दिसंबर को तय की है।

न्यायमित्र अधिवक्ता अलंकृता शर्मा ने बताया कि अदालत ने 18 साल से विचाराधीन इस प्रकरण से जुडी जमीनी हकीकत जानने के लिए गत सात अक्टूबर को तीन न्यायमित्र नियुक्त किए थे। उन्हें अदालती आदेश पर रिपोर्ट पेश करनी है कि अब तक मामले में राज्य सरकार की ओर से क्या कार्रवाई हुई, लेकिन पेपर बुक नहीं मिलने के अभाव में रिपोर्ट पेश नहीं की जा सकी।

गौरतलब है कि पीएन मैंदोला ने साल 2007 में जनहित याचिका दायर कर अमानीशाह नाला, जिसे अब द्रव्यवती नदी कहा जाता है, में अतिक्रमण को हटाने की गुहार कर रखी है। मामले के लंबित रहने के दौरान इसकी चौडाई तय करते हुए इसे पक्का किया गया है।

छठ महोत्सव : घाट सजेवली मनोहर,मईया तोरा भगती अपार...

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वार्ड 5 स्थित सूर्य नगर, जेडीए कॉलोनी और गौतम विहार कॉलोनी में आयोजित छठ पूजा कार्यक्रम में शिरकत की।

- अस्तगामी सूर्य को दिया पहला अर्घ्य, आज उगते सूर्य को देंगे दूसरा अर्घ्य
- दिया कुमारी ने छठ पूजा में शामिल होकर समुदाय के लोगों से बिहार चुनाव में एनडीए प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की

जयपुर। सूर्य उपासना के चार दिवसीय छठ महोत्सव के तीसरे दिन सोमवार शाम को जयपुर में निवास कर रहे पूर्वांचल के श्रद्धालुओं ने सोमवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रतियों ने भगवान भास्कर की आराधना की। सोमवार रात्रि को भक्ति संगीत और छठ मैया के गुणगान के साथ जागरण का आयोजन हुआ। पूर्वांचल और मिथिलांचल के लोक कलाकारों ने छठ मैया का स्थानीय भाषा में गुणगान किया। मुख्य आयोजन गीता जी तीर्थ में हुआ। यहां हजारों की संख्या में छठ व्रती अर्घ्य देने पहुंचे। घाट सजेवली मनोहर,मईया तोरा भगती अपार, । लिहिएं अरग हे मईया, दिहीं आशीष हजार...लोग गीत के साथ 36 घंटे निर्जल निराहार रहे व्रतियों ने अर्घ्य दिया। सोमवार को शाम ढलने से पूर्व ही गलताजी के घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए व्रतियों की भीड़ उमड़ी।

विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 5 स्थित सूर्य नगर, जेडीए कॉलोनी और गौतम विहार कॉलोनी में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उपस्थित रहकर श्रद्धालुओं के साथ पूजा-अर्चना की और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

दिया कुमारी ने कहा कि छठ पर्व हमारी सनातन संस्कृति, सूर्य उपासना, आस्था, अनुशासन और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का अद्भुत प्रतीक है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भक्ति और उत्साह ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया है। मैं भगवान सूर्य देव से प्रार्थना करती हूं कि वे सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं प्रकाश का संचार करें। दिया कुमारी ने कहा कि, आप लोगों ने विधानसभा चुनाव में मुझे जीत दिलाई थी, अब मैं चाहती हूं कि बिहार चुनाव में भी एनडीए के प्रत्याशियों को वोट देकर सरकार बनाएं। इस अवसर पर उदय शाह, उमेश गुप्ता, अवधेश शाह, मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, मनदीप हुंडिल, श्रवण सिंह करीरी, राजू मीणा, सुनील कारोडिया, सुरेश मौर्य, सुरेंद्र सामेर, नेमीचंद सैन, मुकेश शर्मा, सविता गोयल, सुनीता राठौड़ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश पंडित ने बताया कि मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ महापर्व का समापन होगा। व्रती लोग सूर्य के उदय होने से पूर्व ही बांस की टोकरी में नारियल, गन्ना, कच्ची हल्दी, नींबू, अदरक, सेव, संतरा सहित सभी तरह के मौसमी फल लेकर पानी में खड़े हो जाएंगे। जैसे ही सूर्य उदित होंगे लोक गीतों के साथ परिवार की सुख-समृद्धि के लिए अर्घ्य प्रदान करेंगे।

सेंट्रल जेल में फिर मिले दो मोबाइल फोन

जयपुर। केंद्रीय कारागार में मोबाइल फोन मिलने का सिलसिला जारी है। जेल प्रशासन ने कई बार औचक निरीक्षण किए ,ताकी की सलाखों के पीछे बैठे हार्डकोर अपराधी किसी वारदात को अंजाम नहीं दे सकें। इसके बाद भी जेल परिसर में मोबाइल फोन मिलना अब आम बात होती नजर आ रहीं है। जेल प्रशासन ने रविवार को औचक निरीक्षण में बाथरूम और बैरक से दो मोबाइल फोन बरामद किए है। जिसके बाद जेल प्रशासन ने अज्ञात के खिलाफ लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सिम नंबर और मोबाइल फोन के ईएमआई नंबरों के आधार पर जांच शुरु कर दी है।

थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि जेल परिसर में मोबाइल फोन को लेकर आए दिन औचक निरीक्षण किया जा रहा है। रविवार शाम 7 बजे गश्त के दौरान वार्ड नंबर-7 के बाथरूम में एक मोबाइल लावारिस हालत में मिला।

राजस्थान में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे किसी भी दुकान या वाणिज्यिक संस्थान में काम नहीं करेंगे

भजनलाल सरकार ने दुकान-वाणिज्य संस्थान अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी

-कार्यालय संवाददाता-

- सरकार के इस फैसले को राजस्थान में श्रम सुधार की बड़ी पहल बताया गया है। इस निर्णय से बच्चों व महिलाओं की सुरक्षा के साथ व्यापारिक जगत को बढ़ावा मिलेगा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने श्रमिकों के हितों और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण श्रम सुधारों को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान (संशोधन) अध्यादेश 2025 को अनुमोदन प्रदान किया है, जिसके तहत प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियों को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

संशोधन के अनुसार अब 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी दुकान या वाणिज्यिक संस्थान में नियोजित नहीं किया जा सकेगा। प्रशिक्षु की न्यूनतम आयु सीमा 12 वर्ष से बढ़ाकर 14 वर्ष कर दी गई है। इसी प्रकार, 14 से 18 वर्ष की आयु तक के किशोरों को रात्रि के समय कार्य करवाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। यह बदलाव बाल श्रम को रोकने और किशोरों को शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य के उचित अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार ने श्रमिकों की दैनिक कार्य अवधि में भी संशोधन किया है। अब अधिकतम कार्य अवधि 9 घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे कर दी गई है तथा ओवरटाइम सीमा तिमाही में 144 घंटे तक कर दी गई है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ श्रमिकों को भी अतिरिक्त आय का अवसर प्राप्त होगा। सरकार का मानना है कि यह फैसले प्रदेश की अर्थव्यवस्था और श्रमिक कल्याण-दोनों के लिए लाभदायक होंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान कारखाना (संशोधन) नियम 2025 को भी मंजूरी दी है। अब विशेष श्रेणी के कारखानों में महिलाओं को नियोजन की स्वीकृति दी जाएगी। गर्भवती और धात्री महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाओं को इन कारखानों में कार्य करने की अनुमति होगी, बशर्ते नियोक्ता उनकी सुरक्षा के लिए उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए। फेस शील्ड, हीट शील्ड, मास्क, ग्लव्स और श्वसन सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था अनिवार्य होगी।

इसके साथ ही कार्यस्थल पर वायु गुणवत्ता सुनिश्चित करने और सभी श्रमिकों को सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने का निर्देश दिया गया है ताकि महिलाओं की सुरक्षा और निजता के अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिल सके। इन संशोधनों के माध्यम से भारत सरकार के कंप्लायंस रिडक्शन एंड डिरेगुलेशन डॉकेट की प्रभावी अनुपालना हो रही है। राज्य सरकार का दावा है कि इन सुधारों से श्रमिकों के लिए सुरक्षित और अनुकूल माहौल तैयार होगा, वहीं उद्योग व व्यापार क्षेत्र को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार श्रमिक हितों और निवेशक सुविधा-दोनों के संतुलन को ध्यान में रखते हुए आगे भी सार्थक कदम उठाती रहेगी।

ज्योतिष-वास्तु सम्मेलन में जुटेंगे देश-विदेश के विद्वान

जयपुर। ज्योतिष शास्त्र में निहित तथ्यों को समसामयिक स्वरूप में समाज के समक्ष प्रस्तुत करते हुए वास्तु शास्त्रीय परंपरा को प्रायोगिक दृष्टि से लोकोपयोगी बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय इंटरनेशनल एस्ट्रो वास्तु कॉन्फ्रेंस- 2025 नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में आयोजित की जाएगी। अनेक जाने-माने ज्योतिष, वास्तु, वैदिक एवं टैरो रीडर विशेषज्ञ प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगों देश-विदेश के लगभग 500 विद्वान भाग लेंगे। बाहर से आए हुए सभी विद्वानों के ठहरने की व्यवस्था आयोजन स्थल पर ही की जाएगी। सम्मेलन का शुभारंभ जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंद धाम में विराजित श्री गोविंद देव जी के मंगला दर्शन से होगा। प्रवेश केवल निमंत्रण के आधार पर ही प्रवेश होगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, श्री सरस निकुंज के अलबेली माधुरी शरण महाराज, कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय, विधायक बालमुकुंद आचार्य, रेणुका पुण्डरीक गोस्वामी, गोवत्स विठ्ठल महाराज, आचार्य शुभेष शरमन, जी.डी. वशिष्ठ, प्रो. डॉ. केदार शर्मा, प्रो. विनोद शास्त्री, डॉ. महेन्द्र मिश्रा, अनिल कुमावत और हरमित चावला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। यह जानकारी ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने दी।

रेट में रोजाना कम से कम एक पीठ करेगी मामलों की सुनवाई

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट को कार्मिक सचिव ने आश्वस्त किया है कि सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण (रेट) की जयपुर बेंच में हर कार्य दिवस पर सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक कम से कम एक पीठ मुकदमों की सुनवाई करेगी। इसके साथ ही प्रत्येक बेंच में सुनवाई के लिए वीसी की सुविधा आरंभ की जाएगी। डीओपी सचिव के आश्वासन को रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने अधिकरण के रजिस्ट्रार को एक सप्ताह में पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा है। वहीं अदालत ने आगामी सुनवाई पर डीओपी सचिव को उपस्थिति से छूट देते हुए कहा कि वे इन बिंदुओं पर कामकाज की मॉनिटरिंग करेंगी। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सुमन कुमारी की याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में डीओपी सचिव शुचि त्यागी और अधिकरण के रजिस्ट्रार राकेश मीणा अदालत में पेश हुए। डीओपी सचिव ने अदालत को आश्वासन दिया कि अधिकरण की हर बेंच के लिए वीसी की सुविधा आरंभ की जाएगी। वहीं अधिकरण की वेबसाइट पर लाइव डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम के साथ-साथ अदालत कक्ष और भवन के बाहर डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाएगा, ताकि वकील दूरस्थ स्थान से भी अपने मामलों पर नजर रख सकें। इसके अलावा यदि आकस्मिक स्थिति में सभी बेंच बंद हो जाती है तो जोधपुर सहित अन्य स्थान पर कार्यरत सर्किट बेंच वीसी के जरिए मामलों की सुनवाई करेगी और इसके लिए जयपुर पीठ से ऑनलाइन रिकॉर्ड भेजा जाएगा।

याचिका पर सुनवाई के दौरान पूर्व में वकीलों ने अदालत को बताया था कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों के सेवा संबंधी विवादों के निपटारे के लिए सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण का गठन किया है। जहां प्रत्येक मामले की सुनवाई के लिए दो सदस्यीय पीठ का गठन होता है, लेकिन किसी ना किसी कारण से पीठ गठित नहीं होती या अंतिम समय पर रद्द हो जाती है। जिससे मामलों पर सुनवाई नहीं हो पाती। जबकि पूर्व में अधिकरण में वीसी स्थापित करने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार में मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं जड़ी-बूटियों की सतत खेती पर राष्ट्रीय सम्मेलन

- पतंजलि और नाबार्ड मिलकर सृजनात्मक कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित कर सकते हैं : नाबार्ड अध्यक्ष शाजी के.वी
- सार्वभौमिक और निहित संपदा को पुनर्जीवित करना आवश्यक है। श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण स्वस्थ धरा के लिए मृदा प्रबंधन आधुनिक समय की आवश्यकता श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण

जयपुर। पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार में मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं जड़ी-बूटियों की सतत खेती पर राष्ट्रीय सम्मेलन 27 अक्टूबर से शुरू हुआ, जो मंगलवार को भी जारी रहेगा। यह सम्मेलन केन्द्रीय आयुष मंत्रालय, पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट, आरसीएससीएनआर-1 के तत्वावधान में होगा। कार्यशाला ऑटोमेटिड मृदा परीक्षण मशीन धरती का डॉक्टर (डीकेडी), के संदर्भ में स्वस्थ धरा और दीर्घकालिक खादय सुरक्षा को प्रोत्साहित करने व वैश्विक स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

जहां पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति परम श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण महाराज ने मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिहन भेंट करके किया। शुभारम्भ दीप प्रज्वलन, धन्वंतरि वंदना और डॉ. अर्चना तिवारी व उनकी टीम के समूहगान से हुआ। स्वागत उद्बोधन, निदेशक मृदा भरुवा एग्री साइंस, डॉ. के.एन. शमी ने दिया। आचार्य और मुख्य अतिथियों ने सार पुस्तिका "स्वस्थ धरा और मेडिसिनल प्लांट्स: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोमेडिसिन्स एंड रिलेटेड इंडस्ट्रीज" का लोकार्पण भी किया।

नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के.वी. ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कहा कि नाबार्ड का प्रमुख उद्देश्य देश में स्थायी कृषि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि, लघु उद्योग, कुटीर व हस्तशिल्प, यामोद्योग और अन्य ग्रामीण शिल्प के लिए ऋण उपलब्ध कराना है। वर्तमान की आवश्यकता यह है कि ग्रामीण विकास में निवेश बढ़े और समावेशी तथा स्थायी कृषि को प्रोत्साहित किया जाए। नाबार्ड देशभर में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों का संचालन करते हुए कृषि प्रक्रियाओं में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि फसल की सुरक्षा से ही मानव स्वास्थ्य की रक्षा संभव है। अब समय आ गया है जब हमें अपने पूर्वजों से पाप्त मिट्टी को उसके मूल स्वरूप पुन: लौटाना चाहिए और मूल की भूल को सुधारना चाहिए।

पतंजलि की डीकेडी मशीन मृदा संबंधी चुनौतियों को दूर कर धरती को रोगमुक्त बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। इसकी किट से केवल आधे घंटे में मिट्टी के आवश्यक पोषक तत्व: नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, पौएच, ऑर्गेनिक कार्बन और इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, का परीक्षण किया जा सकता है, जिससे मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी या अधिकता का सटीक पता चलता है।

अपने व्याख्यान में मृदा भरुवा एग्री साइंस के निदेशक डॉ. के. एन. शर्मा ने बताया कि पतंजलि भरुवा एग्री साइंस ने जैविक खेती एक प्रणाली है जो रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक के बजाय जैविक खाद, हरी खाद और फसल चक्र का उपयोग कर मिट्टी की उर्वरता, पारिस्थितिक संतुलन और प्रदूषण मुक्त उत्पादन सुनिश्चित करती है। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली फसल उत्पादन की चुनौतियों का समाधान करने के लिए डीकेडी, ऑटोमेटेड मृदा परीक्षण मशीन बनाई है। इसके द्वारा मिट्टी से पोटैशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, कैल्शियम जैसे महत्त्वपूर्ण तत्वों को रासायनिक तरीके से पृथक किया जाता है और उनके स्तर का मूल्यांकन किया जाता है। मृदा विश्लेषण पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की सही मात्रा जानने का एक प्रभावी तरीका है जो मृदा प्रबंधन, उत्पादन, लागत में कमी, मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार और उपज बढ़ाने में मदद करता है, जिससे कृषि स्थिरता में सुधार होता है।

कार्यक्रम में बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के डॉ. राजेश्वर सिंह चंदेल ने पर्वतीय क्षेत्रों में सीमित भूमि के बावजूद एकीकृत कृषि प्रणाली प्रभावी बताते हुए पारंपरिक ज्ञान, नवाचारी उपकरण और महिला प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा, अन्य विशेषज्ञों प्रो बी. आर. कांबोज, डॉ. जे. एन. रैना, डॉ. जी.पी. राव और डॉ. प्रदीप शर्मा ने स्वस्थ मिट्टी, बेहतर फसल और प्रबंधन तकनीक से वैश्विक स्वास्थ्य के भविष्य से जुड़ी महत्त्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यक्रम के अंत में पोस्टर सत्र के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

संघीय ढांचे की समझ के बिना राजनीति कर रहे है तेजस्वी, यह बचकानापन : मदन राठौड़

- अंता चुनाव में कांग्रेस जैसा कलंकित उम्मीदवार भाजपा का नहीं, यहां भारी मतों से चुनाव जीतेगी भाजपा : प्रदेशाध्यक्ष
- कांग्रेस हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति, कभी किसी वर्ग विशेष के लिए तो कभी किसी गठबंधन के दबाव में है : मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बिहार चुनाव, तेजस्वी यादव और राजस्थान में अंता उपचुनाव में विपक्ष के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने कहा कि तेजस्वी यादव अभी युवा हैं, उन्हें देश के संघीय ढांचे की समझ नहीं है। हमारा देश संघीय व्यवस्था से चलता है और जो निर्णय केंद्र सरकार लेती है, उसे हर राज्य को मानना होता है। कोई यह कह दे कि हम किसी केंद्रीय कानून को अपने प्रदेश में लागू नहीं होने देंगे, यह न केवल बचकानी बात है बल्कि संविधान की अवमानना भी है। यह देश एक है और कोई भी प्रदेश इस देश से अलग नहीं है। तेजस्वी यादव और कांग्रेस पार्टी दोनों ही ऐसे बयान देकर भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

तेजस्वी की वही भाषा है जो पहले राहुल गांधी बोलते थे और अब तेजस्वी उसी शब्दावली का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन इससे फर्क नहीं पड़ता । बिहार में भाजपा की सरकार बनने वाली है और भाजपा की नीतियां हर राज्य में समान रूप से लागू होंगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने चारा घोटाले से जुड़े सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बात सर्वविदित है कि लालू प्रसाद यादव पर गंभीर आरोप लगे थे। कांग्रेस ने तब उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की थी, मुकदमों को कमजोर करने के प्रयास किए गए, लेकिन सफलता नहीं मिली। कांग्रेस हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति करती आई है। कभी किसी वर्ग विशेष के लिए, कभी किसी गठबंधन के दबाव में। गठबंधन की राजनीति में कांग्रेस को अपने साथियों की शर्तें माननी पड़ती हैं, वरना गठबंधन टूट जाता है। यही कारण है कि वह नैतिकता से समझौता करती रहती है। राठौड़ ने कहा कि देश में यदि एसआईआर सर्वे या मतदाता सूची की समीक्षा हो रही है, तो यह स्वागत योग्य कदम है।

जिन लोगों ने गलत तरीके से अपने नाम जुड़वाए हैं, उन्हें ही डर लग रहा है। अगर कोई गलत नाम मतदाता सूची से हटाया जा रहा है तो डरने की जरूरत क्यों ? देश का निर्णय देश का नागरिक करेगा। जो ईमानदार हैं, उन्हें डरने की कोई जरूरत नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर कहा कि आज कांग्रेस एकजुटता की बात कर रही है, लेकिन अपने ही मुख्यमंत्री को किसने नीचा दिखाया? पार्टी किसने तोड़ी? आज जो 'हॉर्स ट्रेडिंग' की बातें कर रहे हैं, वही अपने नेताओं को बेचने पर मजबूर कर चुके हैं। क्या उनके अपने विधायक बिकाऊ माल हैं कि वे ऐसी बातें कर रहे हैं? राठौड ने कहा कि भाजपा में न तो कोई विद्रोह है, न असंतोष। भाजपा पार्टी एकजुट है। चुनावी तैयारी पूरी है। हमारे उम्मीदवार मोरपाल सुमन और कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में सक्रिय है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मैदान में जुटे हुए है। स्वयं वसुंधरा राजे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी निगरानी कर रहे हैं। मदन राठौड़ ने कहा कि विपक्ष कैसे भी गलत हथकंडे अपनाए, सफलता नहीं मिलेगी। हाल ही में करीबन 9 करोड़ रुपए और शराब जब्त की गई, ये गलत तरीके हैं, जो चुनावी नैतिकता के विरुद्ध हैं। जनता सब जानती है और समय पर जवाब देगी।

राठौड़ ने कहा कि भजनलाल शर्मा की सरकार ने राजस्थान में जिस तरह तेजी से काम किया है, वह प्रशंसनीय है। पिछली कांग्रेस सरकार ने पाँच साल में ईआरसीपी और बिजली व्यवस्था पर कोई काम नहीं किया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में रामजल सेतू परियोजनाएं शुरू हुई हैं, टेंडर जारी हुए हैं और पाइपलाइन का काम चालू हो गया।